Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006

Participants : Patle Shri Shishupal Natthu

an>

Title: Need to withdraw hiked electricity charges for flour and rice mills in Maharashtra.

श्री शिशुपाल एन् पटले (भण्डारा) :सभापति महोदय, मैं आपके सामने महाराट्र की एक गंभीर समस्या को रख रहा हूं।महाराट्र राज्य विद्युत नियामक मंडल द्वारा केन्द्रीय नियामक मंडल से परमीशन मांगी गई थी कि महाराट्र में जो आटा-चक्की और छोटे राइस मिलों पर विद्युत का चार्ज बढ़ाया जाए। उसे केन्द्र सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी। लेकिन आटा-चक्की और छोटे राइस मिलों पर उसका विपरीत असर हुआ। पिछले 17 दिनों से महाराट्र में आटा-चक्की और छोटे राइस मिल बंद हैं। आटा-चक्की और राइस मिलों के मालिकों ने वहां अनशन शुरू किया है। 17 दिन बीत गए हैं लेकिन महाराट्र सरकार द्वारा न कोई स्टेटमैंट आया है और न ही उनकी समस्या को हल करने के संबंध में कोई प्रयास किया गया है। आटा- चक्कियों के बंद होने के कारण जो डा. बाबा साहेब अम्बेडकर वस्टीगृह हैं, पूरे महाराट्र में इन वस्टीगृहों में जो गरीब बच्चे पढ़ते हैं, आटा नहीं मिलने के कारण उन्हें खाना नहीं मिल रहा है। पिछले 17 दिनों से जगह-जगह अनशन चल रहा है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप अपनी डिमांड बताइए।

श्री शिशुपाल एन् पटले :मैं एक और विाय आपके सामने रखना चाहता हूं। महाराट्र में अन्त्योदय योजना के अंतर्गत गरीब लोगों को जो 2 रूपये किलो के हिसाब से गेहूं देने का निर्णय एनडीए की सरकार ने शुरू किया था, लेकिन दो रूपये का गेहूं पिसाने के लिए महाराट्र सरकार ने 5 रुपये पिसाई चार्ज लगा दिया। इस कारण गरीब मजदूर आटे की पिसाई नहीं करवा पा रहे हैं और भूखे मरने की स्थिति में पहुंच चुके हैं।[MSOffice51]

मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि विद्युत चार्ज नियामक मंडल ने उनके ऊपर जो चार्ज लगाया है, उसे कम किया जाये। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप इस बारे में प्राइस राइज की डिसकशन में भी बोल सकते हैं। अभी उस पर बहस चल रही है। आपकी पार्टी को उस पर कल भी बोलने का मौका मिल सकता **है।**

श्री शिशुपाल एन् पटले : मैं कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार और महाराट्र सरकार इस चार्ज को कमकरे और महाराट्र की जो आटा चक्कियां बंद हैं, उनको फिर से शुरू कराने में सहायता करे। धन्यवाद

सभापति महोदय: श्री पी. करूणाकरन--अनुपस्थित।

श्री पी.एस. गढ़वी--अनुपस्थित।

श्री हरिभाऊ राठौड़--अनुपस्थित।